Popular Front of India

+91 11 2 9949902
popularfrontmail@gmail.com
www.popularfrontindia.org
/PopularFrontofIndiaOfficial
@PFIOfficial
/PopularFront EMedia
/pfiofficial

प्रेस रिलीज़

नई दिल्ली

31 जनवरी 2020

जामिया के पास गोली चलना मंसूबाबंद; पुलिस की लापरवाही आश्चर्यजनकः पॉपुलर फ्रंट

पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया के महासचिव एम. मोहम्मद अली जिन्ना ने दिल्ली के जामिया मिलिया के पास नागरिकता के नए कानून के खिलाफ छात्रों के शांतिपूर्ण प्रदर्शन पर गोली चलाए जाने पर चिंता और आश्चर्य जताया है।

देश की राजधानी में दिनदहाड़े होने वाली इस घटना ने दिल्ली पुलिस की आपराधिक लापरवाही को बेनकाब कर दिया है। पुलिस न सिर्फ वहां पूरे समय तक खामोश तमाशाई बनी खड़ी रही, बल्कि उसने घायल छात्र के लिए बैरिकेड भी नहीं हटाया, जिसे मजबूरन इलाज के लिए बैरिकेड के ऊपर चढ़कर जाना पड़ा।

इसी बीच कथित रूप से इस घटना की गंभीरता को कम करने की कोशिश की जा रही है। यह हमला दरअसल अल्पसंख्यको और विरोध की हर शक्ल के खिलाफ असहिष्णुता, नफरत और हिंसा के लबे समय से तैयार किए गए माहौल को आखरी हद तक ले जाने वाला है। जो लोग जामिया पर गोली चलाने वाले राम भक्त गोपाल को मानसिक रूप से परेशान हमलावर के तौर पर पेश करने की कोशिश कर रहे हैं, वे खुद इस अपराध में हिस्सेदार हैं और वे काफी कुछ छुपाना चाहते हैं। गोपाल की सोशल मीडिया गतिविधियों से साफ पता चलता है कि वह हिंदुत्व समूहों से कितना करीब है और शाहीन बाग के प्रदर्शन के खिलाफ हिंसा का अपराधिक इरादा रखता था। वही, यह घटना बीजेपी के बड़े नेता और केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर के द्वारा प्रदर्शनकारियों को गोली मारने की खुलेआम नारेबाजो (देश के गद्दारों को, गोली मारो सालों को) के कुछ ही दिनों बाद घटी। गांधीजी के शहीदी दिवस 30 जनवरी के दिन इस वारदात का सामने आना यह बतलाता है कि गोडसे की विचारधारा और तरीके को पूजने वाले लोग आज इतने शक्तिशाली हो गए हैं।

मोहम्मद अली जिन्ना ने इस घटना के पीछे की साजिश का पता निकालने के लिए किसी मौजूदा जज के द्वारा न्यायिक जांच की मांग की है। प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाने पर उकसाने वाले केंद्रीय मंत्री को पद पर रहने का कोई अधिकार नहीं है, इसलिए उन्हें उनके पद से हटाते हुए गिरफ्तार किया जाना चाहिए। साथ ही उन्होंने यह मांग की कि घटना के समय खामोश तमाशाई बने रहे और हमलावर को छूट देने वाले पुलिस अधिकारियों को भी बर्खास्त किया जाए। उन्होंने जामिया और शाहीन बाग के प्रदर्शनकारियों से किसी भी तरह के उकसावे में आए बिना शांति बनाए रखने की अपील करने के साथ–साथ सांप्रदायिक फासीवादी ताकतों को खबरदार किया कि वे शांतिपूर्ण प्रदर्शनों में रुकावट न डालें और प्रदर्शनकारियों को निशाना बनाना बंद करें।

डॉक्टर मोहम्मद शमून
डायरेक्टर जनसंपर्क
मुख्यालय, पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया
नई दिल्ली